

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय उद्यान

चर्चा में क्यों?

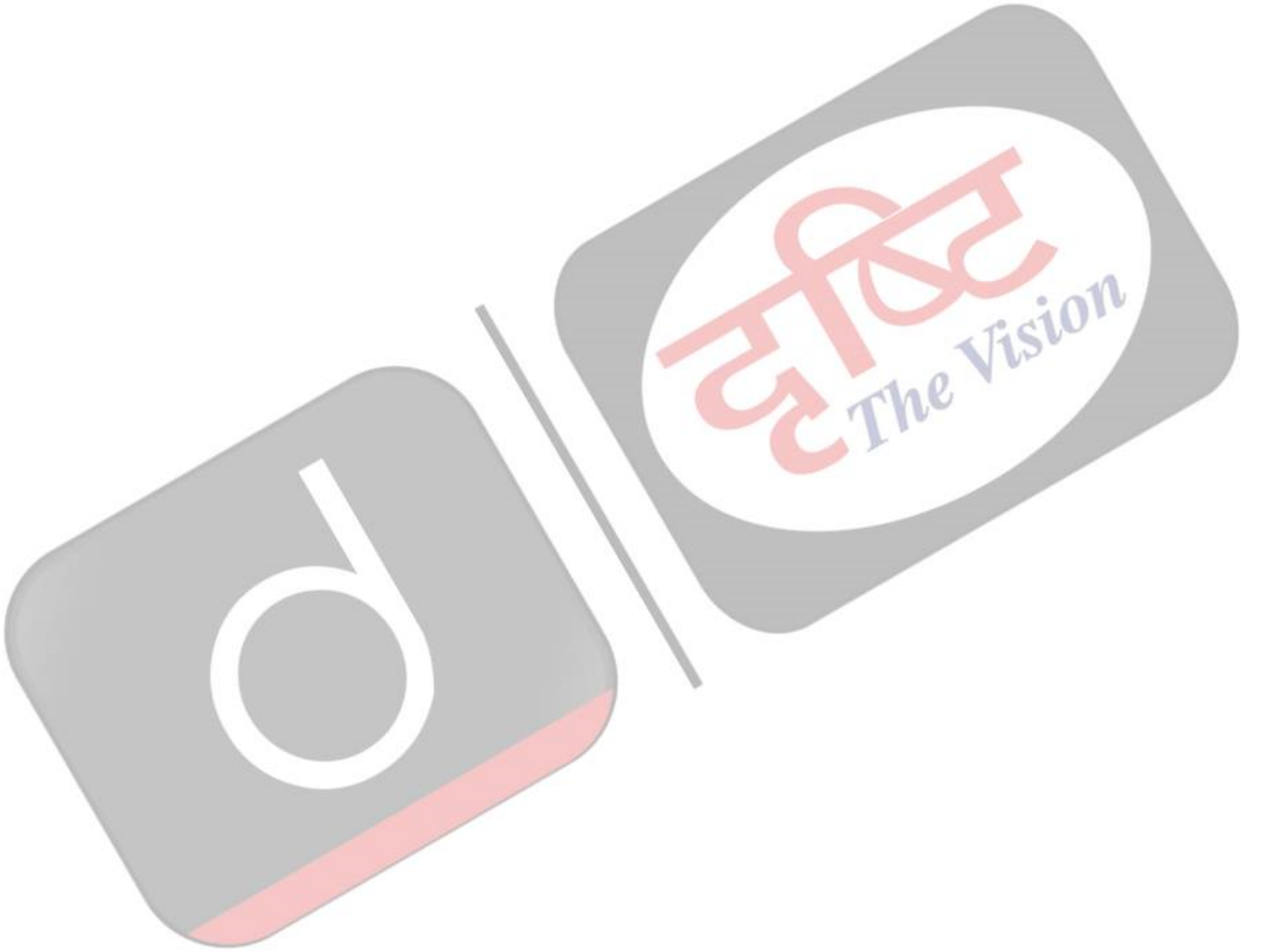
मध्य प्रदेश, जिसे प्रायः "भारत का हृदय" कहा जाता है, अपनी [समृद्ध जैवविविधता](#) और [प्राकृतिक परदृश्य](#) के लिये प्रसिद्ध है। यह राज्य [कुल 11 राष्ट्रीय उद्यानों](#) का गढ़ है, जिनमें से प्रत्येक की [वशिष्ट पारस्थितिकी तंत्र](#) और [वनस्पतियों](#) एवं [जीवों](#) की एक [विविध शृंखला](#) है।

मुख्य बट्टि:

- घने वनों से लेकर विशाल घास के मैदानों तक, मध्य प्रदेश के राष्ट्रीय उद्यान विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों को आवास प्रदान करते हैं, जिनमें [बंगाल टाइगर](#), [तेंदुए](#), [बारहसगिा जैसी हरिण प्रजातियाँ](#) और [कई पक्षी प्रजातियाँ](#) शामिल हैं।
- ये उद्यान [संकटग्रस्त प्रजातियों](#) के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और राज्य के [पर्यावरण-पर्यटन क्षेत्र](#) में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।
- [बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान:](#)
 - [बंगाल टाइगर](#) के उच्च घनत्व के लिये प्रसिद्ध [बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान](#) भारत में सबसे लोकप्रिय [व्याघ्र अभयारण्यों](#) में से एक है। इसमें [कई अन्य वन्यजीव प्रजातियाँ](#) जैसे [तेंदुए](#), [हरिण](#) और [कई पक्षी प्रजातियाँ](#) भी हैं।
- [कान्हा राष्ट्रीय उद्यान:](#)
 - अपने विविध वन्य जीवन और हरे-भरे मनोरम परदृश्यों के लिये प्रसिद्ध, कान्हा राष्ट्रीय उद्यान ने [रुडयार्ड कपिलगिा](#) की "द जंगल बुक" को प्रेरित किया। यह [बंगाल टाइगर](#) की बहुत बड़ी जीवसंख्या के साथ-साथ [बारहसगिा \(सवैमप डयिर\)](#) और हरिण की अन्य प्रजातियों के लिये प्रसिद्ध है।
- [डायनासोर जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान:](#)
 - [धार ज़िले](#) में स्थित, इस राष्ट्रीय उद्यान के क्षेत्र में लाखों वर्ष पूर्व वचिरण करने वाले [डायनासोर](#) के [जीवाश्म अवशेष संरक्षित](#) हैं। आगंतुक जीवाश्म स्तरों का पता लगा सकते हैं और उन प्रागैतिहासिक जीवों के बारे में जान सकते हैं जो कभी इस क्षेत्र में अस्तित्व में थे।
- [घुघुवा जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान:](#)
 - [शाहपुरा](#) के पास स्थित, घुघुवा फॉसिल नेशनल पार्क [जुरासिक काल](#) के पादप जीवाश्मों के अपने बड़े संग्रह के लिये प्रसिद्ध है। पर्यटक यहाँ के चट्टानों में अच्छी तरह से संरक्षित जीवाश्मों को देख सकते हैं।
- [कुनो राष्ट्रीय उद्यान:](#)
 - प्रारंभ में इसे वर्ष [1981](#) में एक [वन्यजीव अभयारण्य](#) के रूप में स्थापित किया गया था। यह [शयोपुर](#) और [मुरैना ज़िलों](#) में [344.686](#) वर्ग किलोमी. के क्षेत्र को कवर करता है। क्षेत्र के मुख्य शिकारी जंतुओं में [इंडियन लेपर्ड](#), [दक्षिणपूर्व अफ्रीकी चीता](#), [जंगली बिल्ली](#), [सुलॉथ बयिर](#), [ढोले](#), [इंडियन जैकल](#), [इंडियन वुल्फ](#), [स्ट्राइप्ड हायना](#) और [बंगाल फॉक्स](#) शामिल हैं। यहाँ पाए जाने वाले शाकाहारी जंतुओं में [चीतल](#), [सांभर](#), [नीलगाय](#), [चौसगिा](#), [चकिारा](#), [ब्लैकबक](#) और [जंगली सूअर](#) शामिल हैं।
- [माधव राष्ट्रीय उद्यान:](#)
 - वधिय रेंज (ग्वालियर ज़िला) में स्थित, माधव राष्ट्रीय उद्यान [हरिण](#), [तेंदुए](#) और [विभिन्न पक्षी प्रजातियों](#) सहित अपनी विविध वनस्पतियों तथा जीवों के लिये प्रसिद्ध है। यह सुंदर [माधव सागर झील](#) से भी घिरा हुआ है।
- [पनना राष्ट्रीय उद्यान:](#)
 - यह [बाघ संरक्षण](#) में अपने पर्यासों के लिये प्रसिद्ध है और बड़ी बिल्ली की प्रजातियों की एक महत्वपूर्ण जीवसंख्या का नवित् स्थान भी है। उद्यान में [हरिण](#), [मृग](#) और [पक्षियों](#) की [विभिन्न प्रजातियों](#) सहित [समृद्ध जैवविविधता](#) भी है।
- [पेंच राष्ट्रीय उद्यान:](#)
 - मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित पेंच राष्ट्रीय उद्यान अपने [घने वनों](#) तथा [विविध वन्य जीवों](#) के लिये प्रसिद्ध है। पर्यटक बाघ, तेंदुए, सुलॉथ बयिर और विभिन्न प्रकार की पक्षी प्रजातियों को देख सकते हैं।
- [संजय राष्ट्रीय उद्यान:](#)
 - [छत्तीसगढ़-मध्य प्रदेश सीमा क्षेत्र](#) में स्थित यह राष्ट्रीय उद्यान अपने प्राचीन वनों एवं विविध वनस्पतियों और जीवों के लिये जाना जाता है। यह [संजय-दुबरी टाइगर रिज़र्व का एक हिस्सा](#) है जो [बाघों](#), [तेंदुओं](#) और [अन्य वन्यजीवों](#) के लिये आवास प्रदान करता है।
- [सतपुडा राष्ट्रीय उद्यान:](#)
 - इसकी वशिष्टता इसके [ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र](#), [गहरी घाटियाँ](#) और [घने वन](#) हैं। यह [जीप सफारी](#), [नाव की सवारी](#) और [पैदल मार्गों](#) के माध्यम से वन भ्रमण का एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है, जिससे [आगंतुकों को बाघ](#), [तेंदुए](#) तथा [सुलॉथ बयिर](#) जैसे वन्यजीवों देखने का [मौका](#) मिलता है।

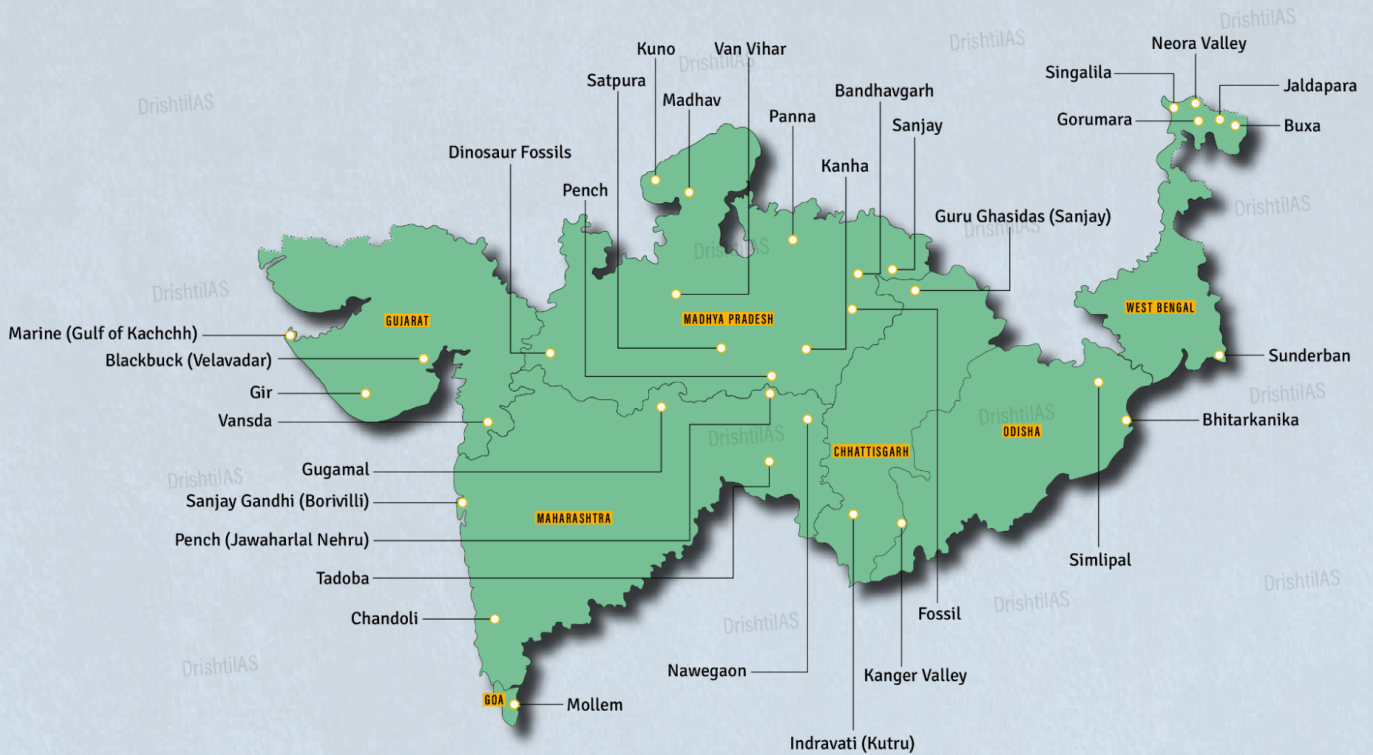
■ वन वहार राषट्रीय उदयान:

- भूपाल में स्थति, वन वहार राषट्रीय उदयान एक अदवतीय शहरी राषट्रीय उदयान है जसिका उददेश्य शहरी सेटगि के भीतर जैववविधिता का संरक्षण करना है। यह हरिण, बंदरों एवं पक्षयिों सहति जानवरों की वभिन्नि प्रजातयिों के लयिे एक प्राकृतकि आवास प्रदान करता है, और आंगंतुकों को प्रकृतकिी सैर तथा वन्य जीवों को देखने का आनंद लेने के लयिे एक शांत वातावरण प्रदान करता है।



National Parks-II

106 National Parks (2022)



ABOUT

- A national park can be notified by the state government for the preservation of its ecological, faunal, floral, geomorphological, or zoological importance.
- The areas are secured under the Wildlife Protection Act (WPA), 1972.
- No human activity is permitted inside the national park except for the ones permitted by the Chief Wildlife Warden of the state under the conditions given in the WPA.

FACTS

- Gir National Park (Gujarat): The only abode of the Asiatic Lion.
- Kuno National Park (Madhya Pradesh): Wild Cheetahs bought from Namibia have been introduced in KNP (under Project Cheetah - world's first inter-continental large wild carnivore translocation project).
- Sundarbans National Park (West Bengal): It is a UNESCO World Heritage Site (1987) and contains the world's largest area of mangrove forests.



PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/national-parks-in-madhya-pradesh>

